

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया और राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान ने उन्नत सौर ऊर्जा अनुसंधान और शिक्षा के लिए की रणनीतिक साझेदारी

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर, 2025

भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमताओं को मज़बूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) और राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई) ने कल एक व्यापक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जो स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार को गति देने के लिए शैक्षणिक-उद्योग सहयोग में एक नया अध्याय जोड़ता है। इस साझेदारी का उद्देश्य अत्याधुनिक अनुसंधान, कौशल विकास और शैक्षणिक उन्नति को बढ़ावा देने के लिए दोनों संस्थानों की संयुक्त क्षमताओं का लाभ उठाना है।

इस समझौता ज्ञापन पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली के रजिस्ट्रार प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी और राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान, गुड़गांव के महानिदेशक प्रो. मोहम्मद रिहान ने हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर कार्यक्रम जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़ की उपस्थिति में आयोजित किया गया, जिन्होंने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीन प्रो. मोहम्मद शरीफ़; इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष प्रो. शाहिदा खातून; सहकार्यता समन्वयक प्रो. माजिद जमील और विभाग के अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

यह सहयोग पारस्परिक हित के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संयुक्त कार्य के लिए एक रूपरेखा स्थापित करेगा। यह दोनों संस्थानों को सौर फोटोवोल्टिक प्रौद्योगिकियों में अनुप्रयुक्त अनुसंधान और विकास को आगे बढ़ाने में मदद करेगा, जिसमें सौर पैनल परीक्षण, एक वृत्ताकार अर्थव्यवस्था के लिए पीवी पुनर्चक्रण और ग्रिड में बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा को एकीकृत करने की चुनौतियों का समाधान शामिल है। इसके अलावा, इस साझेदारी में इलेक्ट्रोलाइज़र और ईंधन सेल जैसे ग्रीन हाइड्रोजन सिस्टम और घटकों के परीक्षण और उनकी विशेषताएँ निर्धारित करने के लिए सहयोगात्मक प्रयास शामिल होंगे। इस समझौता ज्ञापन का एक प्रमुख स्तंभ विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए विशेषज्ञों, संकाय सदस्यों और छात्रों के आदान-प्रदान के माध्यम से ज्ञान साझा करने और क्षमता निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता है। दोनों संस्थानों ने नवीकरणीय ऊर्जा और सौर प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित एक नया स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने की संभावना तलाशने और साझा राष्ट्रीय दृष्टिकोण और उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अपनी-अपनी सुविधाओं और बुनियादी ढाँचे को साझा करने पर भी सहमति व्यक्त की है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़ ने इस समझौता ज्ञापन के रणनीतिक महत्व पर ज़ोर दिया। "यह साझेदारी शिक्षा जगत को राष्ट्रीय मिशनों के साथ जोड़ने के हमारे दृष्टिकोण की आधारशिला है। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शैक्षणिक कौशल को एनआईएसई की विशिष्ट अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं के साथ समन्वित करके, हम न केवल नवाचार के लिए एक मंच तैयार कर रहे हैं, बल्कि भारत में सतत ऊर्जा के भविष्य को सक्रिय रूप से आकार दे रहे हैं। यह समझौता ज्ञापन हमारे छात्रों और शोधकर्ताओं को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों पर काम करने और प्रभावशाली समाधान तैयार करने के लिए सशक्त बनाएगा।"

इस अवसर पर बोलते हुए, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के रजिस्ट्रार, प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी ने कहा, "एनआईएसई के साथ यह साझेदारी अकादमिक उत्कृष्टता के माध्यम से राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। अपनी अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और ठोस शोध इतिहास के साथ, हमारा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग एनआईएसई के साथ काम

करने के लिए पूरी तरह तैयार है। साथ मिलकर, हम अपने छात्रों और शिक्षकों के लिए भारत की सौर ऊर्जा क्रांति में सार्थक योगदान देने के अद्वितीय अवसर पैदा करेंगे।"

राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान के महानिदेशक, प्रो. मोहम्मद रिहान ने कहा, "एनआईएसई सौर ऊर्जा उन्नति के लिए देश का उत्प्रेरक बनने के लिए समर्पित है। जामिया मिल्लिया इस्लामिया जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के साथ सहयोग करने से हमें अनुसंधान एवं विकास और अकादमिक कठोरता के बीच की खाई को पाटने का अवसर मिलता है। यह समझौता ज्ञापन पीवी रीसाइक्लिंग और हरित हाइड्रोजन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नवाचार को गति देगा, साथ ही भारत में ऊर्जा के भविष्य के लिए आवश्यक उच्च कुशल कार्यबल का निर्माण भी करेगा।"

इस पहल को इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय का भरपूर समर्थन प्राप्त हुआ। संकाय के डीन, प्रो. मोहम्मद शरीफ ने कहा, "यह समझौता ज्ञापन हमारे संकाय के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह अंतःविषयक अनुसंधान के नए रास्ते खोलेगा और शैक्षणिक पाठ्यक्रम को समृद्ध करेगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि हमारे स्नातक नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी हों। हम इस सहयोग को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष प्रो. शाहिदा खातून ने छात्रों के लिए प्रत्यक्ष लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा, "हमारे विभाग की मुख्य ताकत बिजली प्रणालियों और सतत ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में इसके मजबूत पाठ्यक्रम में निहित है। यह साझेदारी उस शैक्षणिक आधार को सीधे तौर पर वास्तविक दुनिया में लागू करती है। हमारे छात्रों को एनआईएसई की अत्याधुनिक सुविधाओं और अग्रणी परियोजनाओं तक अमूल्य पहुँच प्राप्त होगी, जिससे उन्हें अपने करियर में निर्णायक बढ़त मिलेगी और सौर ऊर्जा क्षेत्र में अगली पीढ़ी के अग्रणी बनने के लिए तैयार किया जा सकेगा।"

इस साझेदारी का संचालन प्रो. माजिद जमील द्वारा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अन्य समर्पित संकाय सदस्यों के साथ समन्वयित किया जा रहा है। प्रो. माजिद जमील ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, "हमारे विभाग की बिजली प्रणालियों और ऊर्जा इंजीनियरिंग में उत्कृष्टता की एक लंबी परंपरा रही है। एनआईएसई के साथ यह सहयोग हमारे शोध को मूर्त प्रौद्योगिकियों में बदलने का एक अभूतपूर्व अवसर प्रदान करता है। हम उन्नत पीवी परीक्षण, ग्रिड एकीकरण और ग्रीन हाइड्रोजन की संभावनाओं को लेकर विशेष रूप से उत्साहित हैं, जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं।"

अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता और A⁺⁺ NAAC ग्रेड के लिए विख्यात केंद्रीय विश्वविद्यालय जामिया मिल्लिया इस्लामिया और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत शीर्ष अनुसंधान एवं विकास संस्थान NISE के बीच इस रणनीतिक गठबंधन से महत्वपूर्ण परिणाम मिलने की उम्मीद है। इनमें अग्रणी अनुसंधान परियोजनाएँ, कुशल कार्यबल का विकास और नीति-संगत अंतर्दृष्टि शामिल हैं, जो अंततः राष्ट्रीय सौर मिशन के लक्ष्यों और एक स्थायी ऊर्जा भविष्य के लिए भारत की प्रतिबद्धता में योगदान देंगी।

कार्यक्रम के अंत में, डॉ. अरुणेश कुमार सिंह ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जामिया के कुलपति, जामिया के रजिस्ट्रार, NISE के महानिदेशक, NISE के उप महानिदेशक, NISE के निदेशक, इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीन, शैक्षणिक मामलों के डीन और विभाग के सभी प्रोफेसर और कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी